हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ़

07 दिसंबर 2024, समय 1810

- आज देशभर में सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया गया।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सैनिकों की वीरता,दृढ़ संकल्प और बलिदान को सलाम किया।
- केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने कहा है कि टी.बी. मुक्त भारत का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी जायेगी।
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि 100 दिन के विशेष टी.बी उन्मूलन अभियान की शुरुआत से तपेदिक के खिलाफ देश की लड़ाई मजबूत हुई है।
- उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ कल कुरुक्षेत्र में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में शिरकत करेंगे।

****

आज सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया गया ।सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर अपने संदेश में, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह दिवस देश के साहसी सैनिकों की वीरता, दृढ़ संकल्प और बलिदान को सलाम करने का दिन है। उनकी बहादुरी प्रेरणा देती है और उनका बलिदान सभी को विनम्र बनाता है। उन्होंने लोगों से सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में योगदान देने का भी आग्रह किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस अवसर पर भारतीय सशस्त्र बलों के साहस, वीरता, धैर्य और बलिदान को सलाम किया।

****

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने भी सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर सशस्त्र बलों के उन पुरुषों और महिलाओं के अदम्य साहस और बलिदान को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने राष्ट्र की संप्रभुता और सम्मान की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।श्री दत्तात्रेय ने वीर सैनिकों के महत्वपूर्ण योगदान को याद करते हुए कहा कि सैनिकों ने हमेशा ही देश के लिए अद्वितीय बहादुरी और समर्पण का प्रदर्शन किया है। राज्यपाल ने हरियाणा और देश के लोगों से युद्ध में विकलांग सैनिकों, वीर नारियों और हमारे शहीदों के परिवारों के कल्याण में सहयोग करने के लिए एकजुट होने और सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में उदारतापूर्वक योगदान करने का आह्वान किया।

****

सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी देश पर प्राण न्योछावर करने वाले पराक्रमी योद्धाओं के प्रति कृतज्ञता प्रक्ट की हैं। जल, थल और नभ सेना के शूरवीरों को नमन करते हुए उन्होंने कहा कि सैनिक विपरीत परिस्थितियों में भी अपने पराक्रम से देश की सीमाओं को सुरक्षित रखते हैं।मुख्यमंत्री ने आज चंडीगढ़ में अपने निवास स्थान संत कबीर कुटीर पर सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में ऑनलाइन अंशदान भी दिया।उन्होंने सभी प्रदेशवासियों से सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में उदारता व स्वेच्छा से योगदान देने का आह्वान भी किया।

****

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने आज कहा कि टीबी उन्मूलन कार्यक्रम वर्ष 2025 तक देश को टीबी मुक्त बनाने में मील का पत्थर साबित होगा। श्री नड्डा पंचकूला से देशव्यापी 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान का शुभारंभ करने के बाद संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह और स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव भी मौजूद रहीं ।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसके बाद रणनीति बदली गई और अब टीबी के अभिशाप को खत्म करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। श्री नड्डा ने कहा कि टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का जिक्र करते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि योजना का लाभ टीबी के मरीजों को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि अब 1 लाख 73 हजार टीबी मरीज इस योजना का लाभ उठा रहे हैं। टीबी मरीजों को हर महीने 1000 रुपए दिए जा रहे हैं।श्री नड्डा ने कहा कि हरियाणा में चिकित्सा शिक्षा और चिकित्सा सुविधाओं को बढ़ाया जा रहा है । उन्होंने कहा कि रेवाड़ी में एम्स की स्थापना की गई है। हरियाणा सरकार भी हर जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित कर रही है।कार्यक्रम को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी संबोधित किया।

उन्होंने श्री नड्डा को भरोसा दिलाया कि 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान को हरियाणा में सफल बनाया जाएगा।यह अभियान देश के 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 347 जिलों में शुरू किया गया है। यह अभियान टीबी के मामलों का पता लगाना, उपचार में देरी को कम करना और खासकर उच्च जोखिम वाले समूहों में उपचार के परिणामों को बेहतर पर केंद्रित।

****

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि तपेदिक से अधिक प्रभावित जिलों पर विशेष ध्यान देने के साथ सौ दिन के विशेष अभियान की शुरूआत से तपेदिक के खिलाफ देश की लड़ाई और मजबूत हुई है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में श्री मोदी ने कहा कि भारत रोगियों को दोगुनी सहायता, जन भागीदारी, नई दवाओं, प्रौद्योगिकी के उपयोग और बेहतर नैदानिक उपकरणों के साथ बहु-

आयामी तरीके से तपेदिक बीमारी से लड़ रहा है। उन्होंने सभी से एक साथ आगे आने और तपेदिक बीमारी को खत्म करने के लिए अपना योगदान देने की अपील की।

****

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ कल कुरुक्षेत्र में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2024 में शिरकत करेंगे। कुरुक्षेत्र की जिलाधीश नेहा सिंह ने उनके आगमन पर सुरक्षा के दृष्टिगत कार्यक्रम स्थल व आसपास के क्षेत्रों में ड्रोन व ग्लाईडर इत्यादि हवाई यंत्र उड़ाने पर प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए है।इसके ईलावा वी आई पी मार्ग, एन आई टी कुरुक्षेत्र, श्री भद्रकाली शक्तिपीठ व उसके आसपास 100 मीटर के दायरे तक सडक़ के दोनों तरफ वाहन खड़ा करने, वीआईपी मार्ग के 100 मीटर की परिधी के क्षेत्र में 5 या 5 से अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने, लाठी-डंडे, तलवार, गंडासी, आग्नेय शस्त्र व किसी भी प्रकार के घातक हथियार लेकर चलने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है।

****

पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में अष्टलक्ष्मी महोत्सव के पहले तकनीकी सत्र को संबोधित किया। "विकसित भारत के लिए पूर्वोत्तर के विकास को गति देना" विषय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र पूर्वोत्तर राज्यों में पर्यटन से लेकर कृषि-बागवानी के उत्पादों तक को दुनिया के सामने लाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों में आर्थिक ढांचे को मजबूत करने के लिए देश और विदेश में कई रोड शो किए जाएंगे।

****

हरियाणा स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक डॉ. मनीष बंसल ने कहा है कि टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत आज से प्रदेश भर में 65 वैन रवाना की गई जो सभी 22 जिलों के गांव, मोहल्ले के उच्चतम जोखिम वाले क्षेत्र में जाकर शिविर लगाएगी। वह आज पंचकूला में एक पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने बताया कि ये वैन में मौजूद मशीनों से संदिग्ध व्यक्ति का एक्स-रे और जांच की जाएगी और 24 घंटे में टीबी की पुष्टि होने पर उसका इलाज शुरू किया जाएगा।उन्होंने कहा कि इससे पहले भी टीबी को लेकर विभाग सतर्क रहा है।उधर अंबाला में उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने इन वन को झंडी दिखाकर रवाना किया।

****

केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक के सलाहकार राजीव वर्मा ने आज चंडीगढ़ में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत 100 दिवसीय सघन टी बी उन्मूलन अभियान की शुरुआत की। श्री वर्मा ने बताया कि इस पहल में व्यापक दृष्टिकोण अपनाते हुए संवेदनशीलता, शिविरों के आयोजन, उपचार का पालन सुनिश्चित करना और बीमारी से जुड़े कलंक को कम करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सभी हितधारकों के बीच सहयोग

से केंद्र शासित प्रदेश के हर क्षेत्र में एक समर्पित अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत, 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों, धूम्रपान करने वालों, मधुमेह रोगियों, शराब के आदी लोगों की कशी रोग के लिए जांच की जाएगी। इसके अलावा पूर्व टीबी रोगियों, टीबी रोगियों के करीबी संपर्कों, कुपोषित व्यक्तियों और जेलों, वृद्धाश्रमों, अनाथालयों और आश्रयों जैसे सामूहिक स्थानों में रहने वाले लोगों सहित कमजोर आबादी की जांच पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।